भारत सरकार

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2974

बुधवार, दिनांक 06 अगस्त, 2025 को उत्तर दिए जाने हेतु

<u>एग्रीवोल्टेक्स को बढ़ावा देना</u>

2974. श्री अमरसिंग टिस्सो: क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार एग्रीवोल्टेक्स (सौर ऊर्जा और कृषि के लिए भूमि का दोहरा उपयोग) को बढ़ावा दे रही है;

(ख) यदि हाँ, तो अब तक शुरू की गई पायलट परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है और उनके क्या परिणाम रहे; और

(ग) क्या असम के कार्बी आंगलोंग और दीमा हसाओ जैसे आदिवासी बहुल जिलों में ऐसी कोई परियोजना प्रस्तावित या स्वीकृत है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत राज्य मंत्री

(श्री श्रीपाद येसो नाईक)

(क) और (ख): पीएम कुसुम योजना का घटक 'क' किसानों को अपनी भूमि पर स्टिल्ट फैशन (जिसे एग्रीवोल्टेइक भी कहा जाता है) में विकेन्द्रीकृत ग्राउंड माउंटेड ग्रिड से जुड़े सौर विद्युत संयंत्रों की स्थापना की अनुमति देता है।

किसानों ने पीएम कुसुम और तृतीय पक्ष परियोजनाओं के अंतर्गत मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र आदि राज्यों में कुछ एग्रीवोल्टेइक संयंत्रों को सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया है।

(ग) पीएम-कुसुम एक मांग-आधारित योजना है। राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त मांग के आधार पर क्षमताओं का आवंटन किया जाता है। लाभार्थियों के चयन सहित कार्यान्वयन राज्य कार्यान्वयन, एजेंसियों (एसआईए) की ज़िम्मेदारी है। दिनांक 30.06.2025 की स्थिति के अनुसार, असम राज्य को घटक-क के अंतर्गत 2 मेगावाट का आवंटन हुआ है। तथापि, अभी तक एसआईए द्वारा स्थापना के बारे में प्रगति की कोई सूचना नहीं दी गई है।

*****